|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१२ जान्युआरी २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

OPEN BOOK / REGULAR	श्रेणी ३	WRITER	YES / NO

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
SANGH NAME		SUPERVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		SUPERVISOR'S SIGN.	

MARKS

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	TOTAL

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। **(१२)**

१. समणे ..... पाणं

२. दुज्झाओ ..... पाउग्गो

३. खातर ..... जाणी

४. सूव विहिं ..... पाणिय

५. पांचमा थूल ..... पंच

६. ओसा ..... मक्कडा

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। **(७)**

१. आसायणाए ..... २. उस्सुत्तो .....

३. इच्छामिणं ..... ४. दुव्विचिंतिओ .....

५. सिद्धि गइ ..... ६. विहस्स .....

७. काय दुक्कडाए .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। **(६)**

१. किया हो ..... २. तेतीस में से किसी भी .....

३. अतिचार ..... ४. विशेष शुद्धि करने के लिए .....

५. मुझ को ..... ६. अपनी काय से स्पर्श करता हूँ .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। **(१५)**

१. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१) प्रतिक्रमण यानि ..... दर्शन। .....

२) चौदहवें गुणस्थान में ..... का प्रतिक्रमण होता है। .....

३) पाप कर्मों के सेवन से मुक्त होकर उन पापों का ..... करना। .....

४) ..... छट्ठा आवश्यक है। .....

५) न करने योग्य प्रवृत्ति का आचरण करना ..... है। .....

६) एक बार सूत्र का पाठ करने में ..... आवर्तन होते है। .....

७) प्रतिक्रमण द्वारा ..... तक के दोषो की ही शुद्धि होती है। .....

८) सम्यक् दर्शन के बाधक तत्त्व ..... और..... है। .....

९) ज्ञान के १४ अतिचारों में से काल शुद्धि संबंधित ..... अतिचार है। .....

२. योग्य विकल्प पर टीक करो। **(५)**

१) देवसी, पाखी, अष्टमी, सांवत्सरिक।

२) अतिक्रम, अणाचार, व्यतिक्रम, अतिचार।

३) आत्मा, मन, वचन, काया।

४) चारित्र, अहिंसा, तप, संयम।

५) नमो सिद्धाणं, नमो आयरियाणं, नमो अरिहंताणं, नमो जिणाणं

३. अंक में जवाब लिखिए। **(५)**

१) पाप के चरण ..... २) दर्शन के अतिचार ..... ३) वंदना के प्रकार .....

४) श्रमणसूत्र की संख्या ..... ५) महाहिंसक व्यापार ..... ६) काउस्सग्ग के आगार .....

७) पक्खी प्रतिक्रमण कितने दिन में? ..... ८) मिथ्यात्व का प्रतिक्रमण कौन से गुणस्थान में? .....

९) प्रतिक्रमण में आगम कितने? ..... १०) काल की अपेक्षा से प्रतिक्रमण के प्रकार .....

(२०)

प्र. २ सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।

(१) नीचेना प्रश्नोना उत्तर के शब्द कौंस में दिए गए अंक के अनुसार लिखिए। (१०)

१.लोकोत्तर पर्व (६) .....

.....

२. कंदमूल के प्रयोग से बढता है (३) .....

३. सफलता की सीढी (१) .....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (५)

१. उपकार की अनुभूति किसे नष्ट करता है? क्या प्रकट करता है? .....

.....

२. जीवों की जतना से क्या मिलती है? .....

.....

३. महत्त्वपूर्ण साधना कौन सी है? .....

.....

४. भगवानने क्या कहा है? .....

.....

५. किस का अटल विश्वास सफलता का द्वार खोल देता है? .....

.....

(३) निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत? गलत को सुधारो। (५)

१. किसी भी कार्य की सफलता के लिए दृढ संकल्प करना।

.....

२. जतना यानि जीवों के प्रति दया या करुणा की भावना।

.....

३. खाने के लिए जीना जरुरी है। .....

४. सफलता की बारह कुंची होती है। .....

५. कोइ भी कार्य जतना के साथ करने से कर्म का बंध नहीं होता। .....

.....

(१५)

प. ३ तत्त्व तथा संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए।

(१) मुझे पहचानो। (५)

१. मै दान देने से रोकता हूं। .....

२. मैं सभी कर्मो का राजा हूं। .....

३. मैं कर्म का कच्चा माल हूं। .....

४. मैं अनंत गुणों में प्रमुख हूं। .....

५. मैं सभी की मनोकामना पूर्ण करता हूं। .....

६. मेरे कारण भद्दा शरीर मिलता है। .....

७. मैं आँखों पर बंधी पट्टी की समान हूं। .....

८. मेरे कारण इंन्द्रियनी की शक्ति क्षीण हो जाती है। .....

९. साधु के दर्शन से मुझे जातिस्मरण ज्ञान हुआ था। .....

१०. मुझे वश में रखने से ज्ञान में वृद्धि होती है। .....

(२) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (७)

१. ..... - ..... आदि करने से ज्ञान की वृद्धि होती है। .....

२. ..... का समग्र व्यवहार अपने ..... के अनुसार ही होता है। .....

३. जैसे हमारे ..... होते है, वैसे ..... होते है। .....

४. ....., ... के पालन न करने से मोहनीय कर्म बधता है। .....

५. ..... कर्मों से दूर रहकर ..... कर्मों को करते रहना है। .....

६. एक बालक ..... और दूसरा ..... होता है। .....

७. किसी भी ..... या ..... में आसक्ति कम रखने से ज्ञान बढ़ता है। .....

(३) निम्नलिखित कर्म कैसे दूर किये जा सकते है उसका पहला मुद्दा लिखिए (३)

१. अशुभ आयुष्य कर्म

.....

२. शाता वेदनीय

.....

३. नीच गोत्र

.....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर नम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।

१. स्वस्थ ..... का अर्थ है स्वस्थ .....। .....

२. समाचारी के कारण कैसा वातावरण निर्मित होता है?

.....

३. विज्ञान किसका विषय है?

.....

४. किसके पास सर्वश्रेष्ठ ज्ञान है?

.....

५. जीव को बाह्य साधनो से क्या मिलता है?

.....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) मैं कौन? मुझे पहचानो। (८)

१. मैं गुणग्राही दृष्टि प्रगट करता हूं। .....

२. मैं रैवतगिरि पर्वत से निर्वाण को प्राप्त हुआ। .....

३. मैं पांडवों का सबसे बडा भाई हूं। .....

४. मैंने नयसार के भव में समकित को प्राप्त किया। .....

५. मैंने पंचजन्य शंख का नाद किया। .....

६. मैंने गाय के सींगों को पकड़कर आकाश में गोल गोल करके फेंक दिया। .....

७. मैं स्त्री का रुप देखकर संयम से चलित हुआ। .....

८. मैंने मुनि को गिरते देख उनका उपहास किया। .....

(२) कौन किस को कहता है? (२)

१. धारिणी देवी तो युवराज्ञी है फिर भी उसका बेटा मजा कर रहा है।

.....

२. आप अपने भाई के द्वारा किए गए वमन को क्यों भुगतना चाहते हो?

.....

प्र. ६ नीचे दी गई कविता पूरी करे।

१. अनंत ....

....

.... बनाएंगे।

२. में परभवे ....

....

....

.... गया।

३. भाव से ....

....

.... बन जाए।

४. करे ....

....

....

.... वांकने।

जय जिनेन्द्र

- ❋ **PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.**
- ❋ **NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 3RD/4TH MONDAY AND TUESDAY.**
- ❋ **TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.**
- ❋ **FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.**